महत्वपूर्ण एवं खास

विस्फोटक समाग्री के साथ 2 लाख का ईनामी नक्सली गिरफ्तार

सुकमा। जिले के थाना चिंतागुफा क्षेत्रान्तर्गत कैम्प करीगुण्डम से 150 वाहिनी सीआरपीएफ का बल, 206 वाहिनी कोबरा के हमराह एवं डीआरजी का संयुक्त बल आज नक्सल उन्मूलन अभियान हेतु ग्राम कसालपाड़, मट्टेमरका की ओर रवाना हुए थे, अभियान के वापसी के दौरान ग्राम कसालपाड़ के जंगल से पुलिस पार्टी द्वारा घेराबंदी कर नक्सली संगठन में बटालियन नंबर 01 कम्पनी 01 प्लाटून 03 सेक्शन बी सदस्य, 02 लाख के ईनामी नक्सली पोडियामी मनोज उर्फ मासा पिता पोडियामी नंदा उम्र 35 वर्ष निवासी मलोलबण्डा थाना कोंटा को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार 02 लाख के ईनामी नक्सली पोडियामी मनोज उर्फ मासा के निशानदेही पर जंगल झाड़ी में छुपाकर रखे विस्फोटक समाग्री 01नग टिफिन बम, 10 नग इलेक्ट्रिक डेटोनेटर, 20 मीटर इलेक्ट्रिक वायर, 02 मीटर कोर्डेक्स वायर बरामद किया कर नक्सली पोडियम मनोज को थाना भेजी लाया गया। उक्त घटना के अतिरिक्त पोडियाम मनोज से पूछताछ में नक्सली संगठन में अनेक पदों पर रहते हुये थाना भेजी एवं थाना चिंतागुफा क्षेत्रों में घटित विभिन्न नक्सली वारदातों में शामिल रहना स्वीकार किया है।

नक्सलियों द्वारा लगाये गये 3 किलो का आईईडी बरामद

बीजापुर (आरएनएस)। जिले के गंगालूर मार्ग पर रेड्डी चौक से आगे किकलेर पहाड़ी के पास नक्सलियों ने जवानों को नुकसान पहुंचाने के लिए 03 किलो का आईईडी लगाया था, जिसे जवानों ने सतर्कता एवं सूझबूझ दिखाते हुए बरामद कर नक्सलियों के नापाक मंसूबों को नाकाम कर दिया है। बीजापुर एसपी आंजनेय वार्ष्णेय ने बताया कि शुक्रवार को किकलेर पहाड़ी के पास 03 किलो का आईईडी मुख्य सड़क से लगी पगडंडी से केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की 85वीं बटालियन एवं बीडीएस बीजापुर की टीम द्वारा डी-माईनिंग की कार्यवाही के दौरान आईईडी बरामद कर मौके पर ही सुरक्षित तरीके से विस्फोट कर निष्क्रिय कर दिया है।

दो बाइक सवारों की हुई भिड़ंत, 5 गंभीर रूप से घायल

कोरबा (आरएनएस)। कोरबा जिले के कटघोरा थाना क्षेत्र में गत रात्रि छुरी में दो बाइक सवारों की जोरदार भिड़ंत हो गई। बताया जा रहा हैं की इस घटना में बाइक सवार पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए जिसमे दो लोगों की हालत नाजुक बनी हुई है। घटना का वीडियो पास ही लगे एक सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गयी है। घटना के बाद स्थानीय लोगो की सूचना पर कटघोरा पुलिस मौके पर पहुंची। डायल 112 के माध्यम से घायलों को नजदीकी कटघोरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। जहां घायलों का प्राथमिक उपचार कर जिला अस्पताल रैफर कर दिया गया है। जिसमें दो की हालत नाजुक बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार गंभीर रूप से घायल दोनों व्यक्ति बरमपुर कोरबा के रहने वाले है और तीन लोग सलोरा निवासी है। फिलहाल कटघोरा पुलिस मामले की विवेचना में जुट गई हैं।

चरित्र शंका के चलते पत्नी की पीट-पीटकर हत्या, आरोपी पति गिरफ्तार

धमतरी (आरएनएस)। पत्नी की बेरहमी से हत्या करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. बताया जा रहा है कि आरोपी पति ने चरित्र शंका के चलते पत्नी को पीट- पीटकर मौत के घाट उतार दिया था और वारदात को अंजाम देने के बाद फरार हो गया था. यह मामला बोराई थाना क्षेत्र का है. जानकारी के अनुसार, पुलिस को सूचना मिली कि ग्राम लिखमा कमारपारा में आरोपी सुकचंद नेताम ने अपनी पत्नी सुनिता नेताम का चरित्र शंका को लेकर हाथ-मुक्का, बांस का चिरा, डंडा और बेल्ट से मारपीट कर मौत के घाट उतार दिया है. जिसकी सूचना पर पुलिस टीम घटना स्थल लिखमा कमारपारा में पहुंचकर जांच में जुटी. घटनास्थल से मृतिका का पति फरार था. जिसपर बोराई पुलिस ने फरार पति सुकचंद के खिलाफ धारा 302 अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया।

चार धाम यात्रा की तैयारी पूर्ण, 90 प्रतिशत यात्रियों ने कराया अग्रिम बुकिंग

- तिथी में आंशिक फेरबदल,अब 11 मई को राजधानी एक्सप्रेस से रवाना होगे चारधाम यात्रा के लिए सैकडों यात्रियों का जत्था
- द्वारिकाधीश-सोमनाथ एवं अमरनाथ यात्रा के लिए जारी है आरक्षण

चांपा (आरएनएस)। हसदेव यात्रा चांपा -चांपा सेवा संस्थान द्वारा शिवभक्तों के लिए उत्तराखंड के सुप्रसिद्ध चारधाम तीर्थयात्रा गंगोत्री,यमनोत्री, केदारनाथ बद्रीनाथ हरिद्वार ऋषिकेश हेतु क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालुओं को लेकर चांपा से हरिद्वार के लिए 11 मई को रवाना होगी और वापस 23 मई को चांपा वापस आयेगी.इस यात्रा में क्षेत्र के श्रद्धालुओं का यात्रा सेवा समिति के सेवादारों के प्रति लोगों में इतनी आस्था एवं विस्वास है कि चारधाम यात्रा में बाबा के दरबार में मत्था टेक अपनी मनोकामना पूरी करने के लिए 90 प्रतिशत से अधिक लोगों ने यात्रा तिथी के समय से पूर्व में ही एडवांस में बूकिंग करवा ली.टिकट वितरण के अंतिम चरण पहुँचने से पूर्व समिति के सदस्य अब यात्रा सम्बंधित तैयारी के लिए जुट गए हैं इसके लिए समिति के दो सदस्यीय दल हरिद्वार जाकर चारधाम यात्रा में पडऩे वाले विभिन्न पड़ाव का निरीक्षण कर यात्रा में शामिल हो रहे श्रृद्धालुओं का अग्रिम चाकचौबंद व्यवस्था कर वापस चाम्पा लौट आये हैं.जिसमें खानपान, ठहरने, आनेजाने सहित अन्य यात्रियों सुख सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा गया है।

11 मई को राजधानी एक्सप्रेस से चारधाम यात्रा के लिए रवाना होंगे क्षेत्र के श्रद्धालु- चारधाम यात्रा के लिए पहले 10 मई को दो स्पेशल कोच द्वारा उत्कल एक्सप्रेस से रवाना होने वाली थी लेकिन यात्रा दौरान ट्रैन में आ रही तकनीकी व व्यवहारिक खामी की वजह से समिति ने यात्रियों के सुख सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए प्रस्थान तिथी 10 मई में एक दिन का आंशिक फेरबदल करते हुए 11 मई गुरुवार को राजधानी एक्सप्रेस से दोपहर 2 बजे बिलासपुर रेलवे स्टेशन से रवाना होगी जबकि वापसी राजधानी एक्सप्रेस में ही 23 मई को व्हाया दिल्ली से बिलासपुर के लिए प्रस्थान करेगी.वहीं दिल्ली से स्पेशल एसी बस द्वारा हरिद्वार तक व हरिद्वार से दिल्ली तक एसी बस द्वारा यह तीर्थयात्रा संपन्न होगा.

जयकारों के बीच नाचने लगे श्रद्धालु- उत्तराखंड के चार धाम में से एक बद्रीनाथ धाम के कपाट 27 अप्रैल से श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए है. इससे पहले 26 अप्रैल को केदारनाथ धाम के कपाट खोले गए .इसी के साथ ही उत्तराखंड में चारधाम यात्रा शुरू हो गई है.यात्रा में शामिल हो रहे श्रद्धालु केदारनाथ-बद्रीनाथ धाम में हो रहे भारी बर्फबारी से काफी उत्साहित हैं क्योंकि उन्हें केदारनाथ के बाबा भोलेनाथ एवं भगवान बद्रीनाथ के साक्षात दर्शन के साथ साथ भारी बर्फबारी का भी आनंद उठाने का मौका मिल सकता है.

धार्मिक मान्यता- 12 महीने भगवान विष्णु जहां विराजमान होते हैं, उस सृष्टि के आठवें बैकुंठ धाम को बद्रीनाथ के नाम से जाना जाता है. मान्यता है कि भगवान विष्णु यहां 6 महीने विश्राम करते हैं और 6 महीने भक्तों को दर्शन देते हैं. वहीं दूसरी मान्यता यह भी है कि साल के 6 महीने मनुष्य भगवान विष्णु की पूजा करते हैं तो बाकी के 6 महीने यहां देवता भगवान विष्णु की पूजा करते हैं जिसमें मुख्य पुजारी खुद देवर्षि नारद होते हैं.

द्वारिकाधीश-सोमनाथ एवं अमरनाथ यात्रा के लिए जारी है आरक्षण- ग्रीष्मकालीन अवकाश के पश्चात सावन माह में अमरनाथ यात्रा प्रारंभ हो जाती है इसके लिए अग्रिम रजिस्ट्रेशन फ्लाइट बूकिंग कराये जाने का प्रावधान है.इसके लिए हसदेव यात्रा आयोजन समिति ने सीमित संख्या में क्षेत्र के श्रद्धालुओं को व्हाया फ्लाइट से अमरनाथ यात्रा,जम्मू-कश्मीर यात्रा के साथ साथ माँ वैष्णोंदेवी की दर्शन कराने हेतु अग्रिम टिकट बुकिंग प्रारंभ कर दी गई है. बाबा बर्फानी के दर्शन के इच्छुक श्रद्धालु अभी से टिकट बुकिंग कर अपना स्थान सुरक्षित रख सकते हैं. साथ ही चाम्पा से स्पेशल ट्रेन के माध्यम से क्षेत्र के श्रृद्धालुओं को लेकर उज्जैन, सोमनाथ, द्वारिकाधीश, नागेश्वर, भेंट द्वारिका एवं हिल स्टेशन माउंट आबू के लिए ट्रैन 2 जून को रवाना होगी.

कानून व्यवस्था चाक-चौबंद रखने प्रशासन व पुलिस का समन्वय महत्वपूर्ण : कलेक्टर

- सूचना तंत्र रखे मजबूत, हमेशा रहे अलर्ट-पुलिस अधीक्षक सदानंद कुमार
- जिले में कानून व्यवस्था को लेकर कलेक्टर व एसपी ने संयुक्त रूप से ली बैठक

रायगढ़। जिले में कानून व्यवस्था को चाक-चौबंद बनाये रखने को लेकर आज जिला प्रशासन व पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा की अध्यक्षता में कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित हुई। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सदानंद कुमार भी बैठक में अपने विभाग के अधिकारियों के साथ शामिल हुए। बैठक के दौरान जिले में कानून व्यवस्था को बनाये रखने को लेकर अधिकारियों ने गहन मंथन किया और आगे की कार्ययोजना तैयार की।

कलेक्टर सिन्हा ने सभी अधिकारियों से कहा कि प्रशासन और पुलिस के अपने-अपने अधिकार व अपने कार्यक्षेत्र है और सभी का एकमात्र लक्ष्य लोगों की सुविधा व उनकी सुरक्षा है। कई बार विषम परिस्थितियां निर्मित होती है, जिनसे निपटने तथा ऐसी घटनाओं के पुनरावृत्ति से बचने के लिए विभागों का आपसी समन्वय सबसे महत्वपूर्ण हो जाता है। ऐसे में सभी अधिकारियों को आपस में बेहतर तालमेल रखते हुए फील्ड पर काम करने की आवश्यकता है, जिससे जिले में कानून एवं व्यवस्था बरकरार रहे। उन्होंने कहा कि रायगढ़ बड़ा व विविधताओं से भरा जिला है। एक ओर यहां शहरी इलाकों की चुनौतियां तो दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्र के मामले आते है। जिन्हें अधिकारी आपसी सामंजस्य से शांतिपूर्वक हल कर सकते है। उन्होंने सभी अधिकारियों को अपने क्षेत्र के बारे में सारी महत्वपूर्ण घटनाक्रम की जानकारियां रखने तथा उसे आपस में नियमित रूप से साझा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी एक जगह पर तैनात अधिकारियों के बीच निरंतर संवाद होना चाहिए। कलेक्टर सिन्हा ने आगे कहा कि पीड़ित लोगों के प्रति पूरी संवेदनशीलता रखते हुए उनके मदद की हर संभव कोशिश करें। उन्होंने महिला सुरक्षा के प्रति भी विशेष रूप से कार्य करने के लिए कहा। बालिका छात्रावासों की सुरक्षा पर भी ध्यान देने के निर्देश दिए।

पुलिस अधीक्षक सदानंद कुमार ने कहा कि जिले में कानून व्यवस्था को बनाये रखने के लिए हम सबको मिलकर कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग का काम घटना के बाद तफ्तीश की तो है ही लेकिन घटना को रोकना उससे ज्यादा महत्वपूर्ण कार्य है, इसके लिए जरूरी है कि अपना सूचना तंत्र मजबूत रखें और हमेशा अलर्ट रहे। जिससे किसी अप्रिय स्थिति से पहले ही उसे रोका जा सके। उन्होंने क्षेत्र में आदतन अपराधियों की पहचान कर उन पर नजर रखने तथा शिकायत पर तत्काल कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े, अपर कलेक्टर राजीव पाण्डेय, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजय महादेवा, आईपीएस उदित पुष्कर, एसडीएम रायगढ़ गगन शर्मा, नगर पुलिस अधीक्षक अभिनव उपाध्याय सहित, सभी एसडीएम, एसडीओपी, तहसीलदार व टीआई शामिल हुए।

नक्सली हमले की पड़ताल करने सीआरपीएफ के डीजी अरनपुर पहुंचे

दंतेवाड़ा। जिले के अरनपुर में बुधवार को हुए नक्सली हमले की पड़ताल करने आज सीआरपीएफ के डीजी सुजाय लाल थाईसेन दिल्ली से अरनपुर पहुंचे। डीजी के साथ सीआरपीएफ के आईजी साकेत कुमार सहित सीआरपीएफ के अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। इसके साथ ही दंतेवाड़ा डीआईजी कमलोचन कश्यम घटना स्थल पहुंचकर मौके का मुआयना किया। नक्सली कैसे इतनी बड़ी वारदात को अंजाम देने में सफल हुए, इन सभी सवालों के जवाब अब सीआरपीएफ और पुलिस दोनों ढूंढ रही है। डीजी सीआरपीएफ घटना स्थल का दौरा करने के बाद अरनपुर कैम्प में सीआरपीएफ जवानों से भी मुलाकात कर रहें है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अरनपुर नक्सली वारदात के तीसरे दिन भी सडक़ पर वीरानी देखी जा सकती है। जवानो के द्वारा विस्फोट से सडक़ पर हुए गड्ढे को जवानो ने भरवा दिया है।

वारदात को अंजाम देने के लिए नक्सलियों ने सडक़ के नीचे 50 किलो का आईईडी लगाया था। बुधवार को अरनपुर क्षेत्र में नक्सलियों ने बड़ी नक्सली हमले को अंजाम दिया था। जिसमें डीआरजी के 10 जवान बलिदान हो गए साथ ही जवानों के साथ शामिल एक ड्राइवर की भी मौत हो गई। वहीं गुरूवार को सभी बलिदानियों को अंतिम विदाई और श्रद्धाजंलि दी गई है।

हर्राकोडेर के जिओ टावर में नक्सलियों ने की आगजनी

दंतेवाड़ा (आरएनएस)। जिले के मालेवाही थाना के समीप हर्राकोडेर में लगे जिओ टावर में नक्सलियों ने आगजनी की है। वहीं नक्सलियों की पूर्व बस्तर डिवीजन कमेटी ने बैनर भी टांगा है। इस बैनर में नक्सलियों ने कहा है हितामेटा के भाजपा कार्यकर्ता और बोधघाट परियोजना समर्थक और पुलिस की मुखबिरी करने वाले रामधर आलामी को पीएलजीए ने मौत की सजा दी है। इस घटना के बाद इलाके में डर का माहौल देखा जा रहा है। जिओ टावर में आगजनी के बाद मोबाइल में नेटवर्क भी नहीं आ रहा है।

उल्लेखनिय है कि 26 अप्रैल को अरनपुर में आईडी ब्लास्ट में 10 जवान शहीद हो गए, जबकि एक ड्राइवर की मौत भी हुई थी। इसके बाद नक्सलियों ने ओरछा मुख्य मार्ग को एक बार निशाना बनाया। बीती रात अलग-अलग जगह सडक़ खोदकर व पेड़ डालकर रोड जाम कर दिया गया है। ओरछा मुख्य मार्ग के धनोरा ग्राम से लेकर ओरछा अबूझमाड़ प्रवेश द्वार कहे जाने वाली जगह तक नक्सलियों ने लगभग छह किलोमीटर सडक़ को प्रभावित किया। नक्सलियों ने सडक़ में बैनर और पोस्टर भी टांग रखा है। पिछले कुछ दिनो पहले लगभग एक सप्ताह तक ओरछा रोड को बंद कर रखा था। सुरक्षा बलों के जवानों ने इस मार्ग को बड़ी मुश्किल से बहाल किया था।

45 मवेशियों को कंटेनर में डालकर ले जा रहे थे तस्कर, ग्रामीणों ने की पिटाई

जांजगीर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले में पुलिस ने 45 मवेशियों से भरे कंटेनर के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है कि, आरोपी मवेशियों से भरे कंटेनर को ग्राम धरदेई से हैदराबाद के बूचडख़ाने लेकर जा रहे थे।

जानकारी के अनुसार, पकड़े गए दोनों आरोपी मोहन बीडी (25 वर्ष) और रविराज (26 वर्ष) ग्राम बिदरे केमबालु हासन चन्नारायापटना कर्नाटक के रहने वाले हैं। दोनों धरदेई गांव से आवारा पशुओं को ले जाने के लिए आए थे। वे 45 आवारा पशुओं को कंटेनर में डालकर, उन्हें हैदराबाद के बूचडख़ाने लेकर जा रहे थे। इस दौरान गांववालों की नजर मवेशियों से भरे कंटेनर पर पड़ गई।

ग्रामीणों ने तस्करों की जमकर की पिटाई

गांववालों ने उनका रास्ता रोका और कंटेनर चेक किया। जब मवेशियों के बारे में ड्राइवर मोहन बीडी और रविराज से इसके बारे में पूछा तो उन्होंने मवेशियों को बूचडख़ाने ले जाने की बात कही। इसपर ग्रामीणों ने उन दोनों की जमकर पिटाई कर दी। इसके बाद इसकी सूचना पुलिस को दी और दोनों आरोपियों को उनके हवाले कर दिया।

सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची शिवरीनारायण पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने कंटेनर में भरे 45 मवेशियों को छुड़ाया। फिलहाल पुलिस पशु क्रूरता अधिनियम के तहत दोनों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है।

ओडिशा के इंजीनियरिंग इन चीफ के कोटेशन से छपी प्रेस रिलीज भ्रामक

- छत्तीसगढ़ सरकार ने महानदी जल विवाद पर छपी खबरों पर जताई आपत्ति
- दोनों राज्यों के द्वारा जारी किए गए प्रोटोकाल के विरुद्ध

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ सरकार ने ओडिशा के अखबारों में महानदी जल विवाद पर प्रकाशित खबरों पर आपत्ति जताई है और कहा है कि ओडिशा के इंजीनियर इन चीफ के हवाले से प्रकाशित खबर दोनों राज्यों के द्वारा जारी प्रोटोकाल के विरूद्ध है।

इस संबंध में वास्तविक स्थिति यह है कि छत्तीसगढ़ ने इस वर्ष के दौरान अन्य वर्षो की तुलना में उद्योगों निस्तारी तथा फसलों के लिए सामान्य रूप से ही पानी छोड़ा है। उड़ीसा स्थित हीराकुंड जलाशय की जलग्रहण क्षमता महानदी बेसिन के सभी जलाशयों की जलग्रहण क्षमता से अधिक है। इसलिए उड़ीसा को पानी की कमी के संबंध में आरोप लगाने का कोई आधार ही नहीं है। ओडिशा का महानदी बेसिन का दोहनकारी जल संसाधन प्रबंधन है, जबकि छत्तीसगढ़ स्वयं के द्वारा संरक्षित जल संसाधन के प्रबंधन से लाभान्वित होता है, छत्तीसगढ़ में जल की हर एक बूंद को संरक्षित करने का प्रयास किया जाता है।

छत्तीसगढ़ ने न केवल अपने इन-स्ट्रीम चेकडैम और बैराज के माध्यम से वर्षा जल संरक्षण पर ध्यान केंद्रित किया है, बल्कि मॉनसून रनऑफ को जल के स्तर पर रिचार्ज करने के लिए नरवा, गरवा, घुरवा, बाड़ी (एनजीजीबी) कार्यक्रम के माध्यम से बड़े पैमाने पर जल संरक्षण एवं भू-जल स्तर में वृद्धि के उद्देश्य से परियोजना शुरू की है। छत्तीसगढ़ के जल संरक्षण उपायों से ओडिशा को बहुत लाभ हुआ है, क्योंकि भू-जल को महानदी एवं उसकी सहायक नदियों में छोड़ा जाता है जो अंतत: ओडिशा तक ही पहुंचता है।

इस वर्ष 25 अप्रैल 2023 को सेटेलाईट द्वारा ली गई तस्वीर तथा पिछले वर्ष एवं तीन वर्ष पहले एक ही तिथि यानी 25 अप्रैल, 2022 और 25 अप्रैल, 2020 की सेटेलाईट द्वारा ली गई तस्वीर में हीराकुंड जलाशय में महानदी के प्रवाह व्यवस्था एवं उसके जलाशय के ऊपरी स्तर में लगभग कोई अंतर दिखाई नहीं दिया है।

उड़ीसा अभियंत्रिकी विभाग द्वारा जारी की गई प्रेस विज्ञप्ति जो कि न्यायाधिकरण के दूसरी बार छत्तीसगढ़ साइट विजिट के बाद जारी की गई, यह दुर्भाग्यपूर्ण है तथा पूर्वाग्रह से ग्रसित है। यह विज्ञप्ति मुख्य अभियंता जैसे उच्चतम अधिकारी के कार्यालय से जारी की गई थी जबकि यह प्रकरण न्यायालय के अधीन है। इस प्रकार की विज्ञप्ति छत्तीसगढ़ और उड़ीसा राज्य के बीच महानदी जल विवाद समझौते संबंधी प्रोटोकॉल का उल्लंघन है।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता इस संघ का गठनसमपूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी राकुन्डे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु
- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक नीति के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायेगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address :: Behind Stadium Near Career School, Raigarh, C.G. Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU

संग्राहकों को तेंदूपत्ता की तरह फूड ग्रेड महुआ पर मिलेगा बोनस राशि

कोरबा (आरएनएस)। तेंदूपत्ता संग्राहकों की तरह अब फूड ग्रेड महुआ संग्रहण करने वाले संग्राहक परिवारों को बोनस राशि मिलेगी। फूड ग्रेड महुआ वह है जिसे जमीन पर गिरने से पहले जाल लगाकर संग्रहित किया जाता है। इस बार कोरबा व कटघोरा वन मंडल से 730 क्विंटल महुआ संग्रहित किया गया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत 115 रूपये तय किया गया है। संग्राहकों यह महुआ 10 रूपये में खरीदी गई है। सुखने से लेकर पैकिंग तक आने वाली खर्च को काटकर शेष राशि संग्राहकों को बोनस के रूप में प्रदान की जाएगी।

जिले में अब तक तेंदूपत्ता संग्राहक परिवारों को संग्रहण के एवज में बोनस राशि दी जाती थी, अब महुआ संग्रहण में भी बोनस मिलने से परिवारों को दोहरा लाभ मिलेगा। जिले में फूड ग्रेड महुआ संग्रहण का यह दूसरा वर्ष है। बीते वर्ष की तरह इस वर्ष भी कोरबा वन मंडल के बड़मार, लेमरू, करतला व कटघोरा वन मंडल के ग्राम जटगा में फूड ग्रेड महुआ का संग्रहण किया है। प्रत्येक गांव में 20-30 संग्राहक परिवार महुआ संग्रहण से जुड़े हैं। महुआ संग्रहण के लिए 120 संग्राहक परिवारों को जाली प्रदान की गई थी। जिन संग्राहक परिवार के निजी जमीन में 10 से भी अधिक महुआ पेड़ हैं जिनका चयन किया गया था। संग्रहित महुआ को निश्चित ताप व दाब में सुखाया जाता है। साथ ही इस बात का खयाल रखा जाता है कि व काला न होने पाए। महुआ को औषधि, चिरौंजी के साथ लड्डू व शुष्क लाटा बनाने के लिए उपयोग किया जाता है। बीते वर्ष दोनों वन मंडलों से 526 क्विंटल महुआ संग्रहित किया गया था। कटघोरा वन मंडलाधिकारी प्रेमलता यादव ने बताया कि संग्रहित फूड ग्रेड महुआ को लघुवनोपज संग्रहण केंद्र रायपुर भेजा जाता है। जहां से आनलाइन बिक्री की जाती है। बीते वर्ष कोरबा के महुआ की खरीदी इंग्लैंड के एक संस्था ने की थी। इस वर्ष जिले के दोनों वन मंडलों से मिले 650 क्विंटल फूड ग्रेड महुआ को कटघोरा वनमंडल कार्यालय के वनोपज संग्रह कक्ष में रखा गया है। जिसे रायपुर भेजा जाएगा। माना जा रहा है कि इस बार भी अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी खासी मांग है। बीते वर्ष बिक्री की गई महुआ का अभी संग्राहकों को बोनस राशि नहीं दी गई है। इस वर्ष संग्रहित महुआ की बिक्री के पश्चात एक साथ दो वर्ष की बोनस राशि दी जाएगी।

फूड ग्रेड महुआ को वन विभाग ने संग्राहको से 10 रूपये किलो खरीदी है। जमीन पर गिरने वाली महुआ में धूल का कण समाहित होने के कारण वह फूड ग्रेड की श्रेणी में नहीं आता। इस तरह के महुआ को संग्रहित करने के अलावा सुखाने से लेकर उससे घर में सुरक्षित रखने में काफी समस्या आती हैं। जाल में संग्रहित महुआ को वन विभाग तुरंत खरीदी कर लेता है। इस तरह संग्राहकों को उसे सुरक्षित रखने की झंझट से मुक्ति मिलती है।

राज्य शासन इस बार कोरबा और कटघोरा वन मंडल को 2500 क्विंटल महुआ संग्रहित करने लक्ष्य दिया। महुआ संग्रहण का समय शुरू होने के साथ मौसमी उतार चढ़ाव शुरू हो गई। इससे संग्रहण पर काफी असर पड़ा है।